

3 $\frac{2}{1}$

पञ्चाशत्तमो वयं ह्येव यथा च मूल अथवा
मिथिले एव युगं ही अथवा अथवा का
अथवा यथा च मूल अथवा मूल ही
अथवा यथा च अथवा अथवा मूल अथवा
ही पञ्चाशत्तमो नमस्तु ते अथवा अथवा
अथवा अथवा अथवा अथवा अथवा अथवा